



PHARMA NEWS

B.N. Medical Complex, Bulandshahr (U.P.) Postal Reg. No. BSR 37/2024-2026 RNI UPBIL/2007/27885

Year 18 | Issue 08 | DOP 10 APRIL 2025 | Pages 08 | ₹ 10/- Copy | © 09410434811, medicaldarpan.ctp@gmail.com



NAVI MUMBAI RETAIL CHEMIST & WHOLE-SALERS ASSOCIATION (R)

CHEMIST BHAVAN: President Mr. Rakesh S. Nalawade Mob.: 9821594644, Vice President Mr. Shankar N. Jejurkar, Mob.: 9821433270 Mr. Rajendra V. Jadhav, Mob.: 9821081646 Hon. Gen. Secretary, Mr. Sunil Z. Chhajed, Mob.: 9322261434 **Joint Secretary**, Mr. Narainlal P.



Choudhary, Mob.: 9819674173 Mr. Kaluram J. Abhang, Mob.: 9833183652 Treasurer, Mr. Sandeep S. Deshmukh, Mob.: 9821640345 Joint Treasurer, Mr. Bhundaram C. Choudhary, Mob.: 9819232373.

AFFILIATED TO: MAHARASHTRA STATE CHEMIST & DRUGGIST

ASSOCIATION MSCDA. "Plot No. 8.1, Sector 8, Chemist Bhavan Marg,

Sanpada (E), Navi Mumbai - 400 705.

Helbrede Healthcare Ltd. पंचकूला के नाम से बनाई जा रही हैं नकली दवाएं

श्री दिनेश बंसल जी (M) 62849 18933 मैनेजिंग डायरेक्टर Helbrede Healthcare Ltd. पंचकला नें मीडिया हाउस को जानकारी दी है कि उनकी मार्केटिंग कंपनी ने सोनीपत हरियाणा की मैन्युफैक्चरिंग कंपनी SMBJ PHARMACEUTICALS PVT LTD, प्लॉट नंबर 330,फेस 1, HSIIDC, Indl area, Barhi, Sonipat- जिनके स्वामी श्री मनीष जी (M) 90500 13813 एवं श्री सन्नी जैन जी (M) 9107740000 हैं इनसे उन्होंने प्रोडक्ट RABIHEL DSR CAPSUL जिसका बैच नंबर SMC 885 MFG Date 2-24 Exp 1-26 और SMC 886 MFG date 2-24 exp 1-26 है बनवाया था. लेकिन इस दवा निर्माता ने हमारी कंपनी के नाम से कुछ नकली प्रोडक्ट्स जो हमारी टीम द्वारा मार्केट से बरामद किए गए हैं और जिनके बैच नंबर SMC 1188 MFG 11/-4 exp 10-26 और SMC 1211 MFG 01-25 exp 12-26 है- श्री बंसल जी ने यह भी जानकारी दी है कि ऐसे कुछ और भी प्रोडक्ट्स हो सकते हैं जिनकी बाजार में जांच पड़ताल जारी है. बंसल जी ने कहा है कि दस विषय में दस कंपनी SMR I PHAR-MACEUTICALS PVT LTD पर उचित कानुनी और विभागीय कार्यवाही जारी है-बंसल जी ने दवा खरीदने और बेचने वाले दवा व्यापारियों से अपील की है कि Rabihel DSR जांच पर कर खरीदें और बेचे. उनके द्वारा बनाए बैच के अलावा उनकी कंपनी के नाम से दूसरे बैच का प्रोडक्ट खरीदते या बेचते व्यक्ति पर कानूनी और विभागीय कार्यवाही

अभय सिंघल, मो. 9319980483 नकली पनीर बिक्री के खिलाफ कार्यवाही की मांग

नई दिल्ली: प्राप्त समाचार के अनुसार खाद्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से देश भर में फास्ट फूड जॉइंट्स, रेस्टोरेंट और अन्य बाजारों में नकली और मिलावटी पनीर की बिक्री के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने का आग्रह किया है। जोशी ने स्वास्थ्य मंत्री को लिखे पत्र में इस बात पर जोर दिया उपभोक्ताओं ने राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन पोर्टल पर कई शिकायतें दर्ज कराई हैं, जिसमें देश भर में नकली और मिलावटी पनीर की बिक्री/उपयोग की बढ़ती प्रवृत्ति पर प्रकाश डाला गया है। जोशी ने कहा, ऐसे नकली और मिलावटी खाद्य पदार्थों के सेवन से गंभीर और दीर्घकालिक स्वास्थ्य समस्याएं भी हो सकती हैं। उन्होंने स्वास्थ्य मंत्रालय से आवश्यक उपाय करने का अनुरोध किया ताकि पूरे देश में खाद्य सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन किया जा सके। जोशी ने कहा कि बाजार में नकली और मिलावटी पनीर बिकने के बढ़ते मामलों को लेकर चिंता बढ़ रही है। इन घटनाओं के कारण खाने की गुणवत्ता और सुरक्षा को लेकर लोगों की चिंता और शिकायतें बढ़ रही हैं, खास तौर पर उन उपभोक्ताओं के बीच जो पोषण के प्राथमिक स्रोत के रूप में पनीर पर निर्भर हैं। मंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, इस संबंध में, मैंने केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री श्री /जेपी नड्डा जी को एक पत्र लिखा है, जिसमें दोषी प्रतिष्ठानों के खिलाफ तत्काल कार्यवाही करने का आग्रह



Tax evasion of lakhs of rupees caught in a

pharma company, notice sought for reply
Aligarh (UP): As per the news received Tax evasion of lakhs of rupees has been caught in a pharma company. The special investigation branch of the state GST raided a pharma product company on the Agra-Mathura bypass road. The department has issued a notice for tax evasion and sought a reply. According to the department, this company is registered in the name of



husband and wife. Investigation revealed that the product purchase was worth Rs 230 lakh. The monthly sale in this is Rs 50 lakh, while tax has been paid only on sales of Rs 5 to 7 lakh. A notice has been issued to the company owner regarding this. Apart from this, the department has reached four other establishments in Sasni Gate and investigated. Notices have been issued at all places and asked to submit documents. Many discrepancies have been found in their investigation.











A MEN IS GREAT BY DEEDS NOT BY BIRTH







त्रिपुरा के मुख्यमंत्री ने अगरतला में नए अस्पताल की आधारशिला रखी

अगरतला: त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने राज्य की राजधानी अगरतला के बीचों-बीच 50 बिस्तरों वाले अस्पताल की आधारशिला रखी। अगरतला नगर निगम (एएमसी) द्वारा प्रबंधित अगरतला सिविल अस्पताल अगले छह महीनों में चालू हो जाएगा। इस सुविधा में छोटा ऑपरेशन थियेटर होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि मौजूदा सरकार संवेदनशील है और लोगों की जरूरतों का ख्याल रखती है, चाहे वह स्वास्थ्य सेवा हो या अन्य जरूरतें। उन्होंने कहा, अस्पताल चालू होने के बाद, दो मौजूदा सरकारी अस्पतालों, जीबीपी अस्पताल और आईजीएमें अस्पताल पर बोझ कम हो जाएगा। शहर के निवा. सियों को अब जीबीपी अस्पताल या आईजीएम अस्पताल जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी क्योंकि उनके पास प्रस्तावित अस्पताल में जाने का विकल्प होगा। स्वास्थ्य सेवा को सरकार की प्राथमिकता बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि शहर में एक रात्रि आश्रय गृह बनाया जाएगा, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों से अपने मरीजों के साथ अस्पताल आने वाले लोगों को रियायती दरों पर आवास और भोजन मिल सके। चालु वित्त वर्ष के बजट में रात्रि आश्रय गृह बनाने का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा, रोटरी क्लब

ने जी.बी.पी. अस्पताल की रोगी कल्याण समिति के साथ मिलकर पहले ही अपने मरीजों के साथ आने वाले लोगों के लिए 10 रुपये प्रति प्लेट की दर से मध्याह भोजन सुविधा शुरू की है। इससे कई लोगों को लाभ मिलता है।

Child's health deteriorated after consuming medicine bought from medical store

Barrackpor: As per the news received Child's health deteriorated after consuming medicine bought from medical store. Due to this, the said medicine shop has been sealed and one accused has also been arrested. A case of selling fake medicine from a shop located on Neelganj Road in Sodpur has come to light. It is alleged that a child's health deteriorated as soon as the medicine was given and the family members protested in front of the medicine shop along with the local people. The police of Khardah police station reached the spot and sealed the shop and arrested the shop owner. About three days ago, a woman bought medicine for her child from a pharmacy shop in the said area. The woman alleged that the child's health deteriorated as soon as the medicine was given to him. On this, she protested in front of the shop. Accused the shop of selling fake medicine. As soon as the matter came to light in the area, a crowd of local people gathered. People started protesting. The police of Khardah police station reached the spot and arrested the shop owner on the basis of complaint. Then the shop was sealed.

EXECUTIVE COMMITTEE OF

ULHASNAGAR CHEMISTS ASSOCIATION

Mr. Vijay Shivnani, M/s. Satyam Chemist, President 9175215143.Mr. Manoj Patil, M/s.Shree Medical & Gen.

Secretary 9766451007. Mr.Ramesh Jagiasi, M/s. Metro Medical Agencies, Chairman 9422077660. Mr. Pradeep Hinduja, M/s. J.P. Medical & General Store, Vice President 9820220272. Mr. Pradeep Hinduja, M/s. J.P. General Store, Vice President Medical & 9820220272. Mr. Manish Nagrani, M/s. Swastik Medical & Gen. Stores, Joint Treasurer 9321575770. Mr. Suresh Rajpal, M/s. Swastik Medical & Gen Stores, Joint Secretary 9890322843. Mr.Suresh Ahuja, M/s. Mahadev Medical & Gen.Store, Office Incharge 9322324120. Mr. Narain Lund, M/s. Mayur Medical Store, E.C.Member 7350047000. Mr. Pawan Chandwani, M/s. Nirvair Chemist & General Store, E.C.Member 9823146067. Mr. Anil Badlani, Savita Medical Store, E.C.Member 8850954216. Mr.Thakur Bachwani, M/s. New Royal Chemist, Secretary 9960928353. Mr.Manish Talreia, M/s. Sagar Pharma Distributors. Treasurer 9545766232. Mr.Ramesh Punjabi, M/s. Reliance Medical Stores, Vice Chairman 9323194929. Mr. Narendra Punjabi, M/s. Parameshwar Medical Agencies, Organising Secretary 9850768684. Mr. Shekhar Jeswaney, M/s. Kavita Medico Centre, Joint Secretary 8329930238. Mr.Vinod Jawahrani, M/s. Aastha Medical & Superstore, Social Media Incharge 9921746400. Mr. Vyas Jetharam, M/s. Vandana Medical & Gen.Store, E.C.Member 9049454676. Mr.Ravi Mali, M/s. Shree Ganesh Medical Agency, E.C.Member 9890235101 Mr. Vijay Bhatia, M/s. Sai Vasant Shah

> सन फार्मा को रैनबैक्सी के अधिग्रहण की मिली मंजरी

नयी दिल्ली: प्राप्त समाचार के अनुसार सन फार्मा को रैनबैक्सी के अधिग्रहण की मँजुरी मिल गई है। अमेरिकी संघीय व्यापार आयोग (एफटीसी) ने सन फार्मा द्वारा रैनबैक्सी लेबोरेटरीज के चार अरब डॉलर में अधिग्रहण के प्रस्ताव की समीक्षा पूरी कर ली है। सन फार्मास्यूटिकल इंडस्ट्रींज और रैनबैक्सी लेबोरेटरीज ने एक संयुक्त बयान में कहा कि अमेरिकी एफटीसी ने प्रस्तावित अधिग्रहण की अपनी समीक्षा पुरी कर ली है। कहा गया है कि हार्ट-स्कॉट-रोडिनो एंटीट्रस्ट इंप्रूवमेंट्स ऐक्ट, 1976 के तहत प्रतीक्षा अवधि जल्दी समाप्त कर ली जाएगी। उक्त अधिनियम के तहत प्रतीक्षा अवधि जल्दी खत्म होने से रैनबैक्सी के अधिग्रहण की प्रक्रिया की एक आवश्यक शर्त पूरी हो गई। कंपनी की ओर से बताया गया है कि सन फार्मा और रैनबैक्सी सौदा पूरा होने की दिशा में काम कर रही है और वह एफटीसी समझौते में तय शर्तों को तय समयसीमा में परा



सुप्रीम कोर्ट: भारत में एसएमए दवाएं पाकिस्तान और चीन जितनी सस्ती क्यों नहीं हो सकतीं?

नई दिल्ली: एक अनोखी दलील - अगर स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी (SMA) के इलाज के लिए दवा पाकिस्तान और चीन में सस्ती है, तो इस दुर्लभ बीमारी से पीड़ित लोगों की मदद के लिए इसकी कीमत समान क्यों नहीं हो सकती - ने सुप्रीम कोर्ट को केंद्र और दवा निर्माता वैश्विक फार्मा दिग्गज रोश से जवाब मांगने के लिए राजी कर लिया। केरल के 24 वर्षीय सेबा की ओर से पेश हुए वकील आनंद ग्रोवर ने CJI संजीव खन्ना, और जस्टिस संजय कुमार और केवी विश्वनाथन की पीठ को बताया कि हॉफमैन रोश, जो पेटेंटेड ओरल मेडिसिन रिस्डिप्लाम बनाती है, पाकिस्तान और चीन में दवा को सस्ते में बेच रही है। उन्होंने कहा, SMA के मरीजों के लिए दवा की कीमत पाकिस्तान और चीन में उन देशों की सरकारों के हस्तक्षेप की वजह से सस्ती है। भारत सरकार निर्माता से कीमत कम करने या इलाज की अत्यधिक लागत को कम

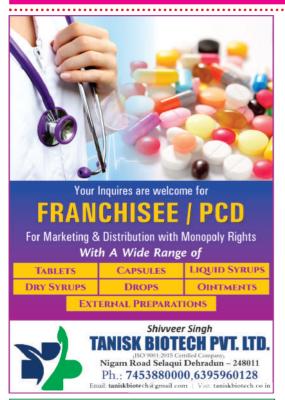


करने के लिए इसे जेनेरिक दवा के रूप में उत्पादित करने के लिए बातचीत क्यों नहीं कर सकती है। भारत में रिसडिप्लम की एक बोतल की कीमत 6.2 लाख रुपये है, जबिक पािकस्तान में यह 41,000 रुपये प्रति बोतल और चीन में 44,692 रुपये है। 17 अगस्त, 2023 को TOI ने रोश की दुर्लभ बीमारी के इलाज की दवा के बारे में एक समाचार रिपोर्ट प्रकाशित की थी, जो भारत में पड़ोसी देशों की तुलना में 15 गुना अधिक महंगी है। पीठ ने रोश को नोटिस जारी कर उसका जवाब मांगा और केंद्र से भारत में एसएमए के इलाज के लिए दवा को सस्ता बनाने पर अपना रुख बताने को कहा। मामले की तात्कालिकता को समझते हुए, जिस पर एक त्वरित निर्णय निकट भविष्य में कई एसएमए रोगियों को निश्चित मृत्यु से बचाने में मदद करेगा, ग्रोवर ने कहा, भारत में ऐसे हजारों परिवार हो सकते हैं जहां मरीज इस बीमारी से प्रभावित हैं। बुनियादी ढांचे की कमी के कारण बीमारी का पता नहीं चल पाता है।





Pharma News 10 APRIL 2025



"यदि किसी का स्वभाव अच्छा है तो उसे किसी और

गुण की क्या जरूरत है? यदि आदमी के पास प्रसिद्धि

है तो भला उसे और किसी श्रृंगार की क्या आवश्यकता है?" –चाणक्य

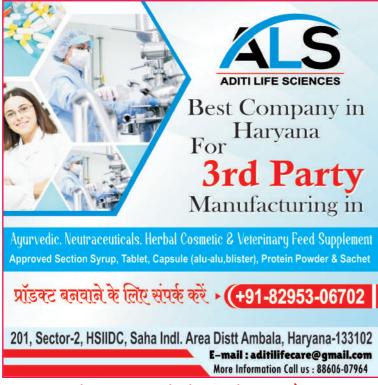




प्रभावी, सस्ती, लेकिन जेनेरिक दवाएं पहुंच से बाहर

लखनऊ: प्राप्त समाचार के अनुसार अधिक किफायती और समान रूप से प्रभावी होने के बावजूद, जेनेरिक दवाइयों को अभी भी शहर के निवा. सियों के बीच व्यापक रूप से स्वीकार

दृश्यता स्वीकृति में एक बड़ी भिमका निभाती है। यही बात दवाओं पर भी लागू होती है। सवाल यह है कि जेनेरिक दवाओं को कौन बढ़ावा दे रहा है? केवल सरकार और वह भी सीमित पैमाने पर, उन्होंने कहा। जेनेरिक



ब्रांडेड दवा कंपनियों के छप रहे नकली रैपर

धनबाद: ब्रांडेड दवा कंपनियों के नकली रैपर छपते हुए पकड़े गए हैं। बेकारबांध में मल्टीनेशनल ब्रांडेड दवा कंपनियों के रैपर एक प्रिटिंग प्रेस में छापे जा रहे थे। इसका खुलासा दिल्ली से धनबाद पहुंची ब्रांड प्रोटेक्शन सर्विसेज की टीम ने किया। आरोपी प्रेस संचालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवा दी गई है। ब्रांड प्रोटेक्शन सर्विसेज की टीम धनबाद पहुंची और पुलिस के सहयोग से बेकारबांध में प्रिटिंग प्रेस में दिबश दी। मौके पर प्रिटिंग प्रेस में धडल्ले से कंपनी के नकली स्टीकर बनाए जा रहे थे। पुलिस ने तत्काल प्रिंटिंग प्रेस के संचालक सत्यम नगर बरवाअङ्गा निवासी अनुप कुमार को गिरफ्तार कर लिया। मौके से कुल सात दवा कंपनियों के 42600 पीस स्टीकर और 400 पीस रैपर बरामद किए गए। सभी सामग्री को जब्त कर धनबाद थाना को सौंप दिया है। वहीं प्रदीप झा की शिकायत पर धनबाद थाना में प्रिटिंग प्रेस के संचालक अनूप कुमार के



अस्पताल परिसर में ई-रिक्शा पर दिया महिला

ने नवजात को जन्म जमुई (बिहार): प्राप्त समाचार के अनुसार अस्पताल परिसर में ही एक महिला को ई-रिक्शा में नवजात को जन्म देने के लिए मजबर होना पडा। दरअसल, सदर अस्पताल पहुंचने पर महिला को ना तो स्ट्रेचर मिला और न ही अस्पताल में बेंड। इसके बाद महिला का प्रसव ई-रिक्शा पर ही करवा दिया गया। जिला मुख्यालय के कृष्णपट्टी के रहने वाली 23 वर्षीय विक्की देवी नामक महिला को प्रसव पीड़ा शुरू हुई तो परिजन उसे लेकर अस्पताल पहुंचे। इस दौरान सदर अस्पताल में मौजूद स्वास्थ्य कर्मियों ने उनकी बात नहीं सुनी। जब महिला की मदद करने को कोई सामने नहीं आया, तब मजबूरन ई-रिक्शा पर ही उसका प्रसव कर दिया गया। बताया जाता है कि इस दौरान नवजात को

चोट भी आई है। प्रसुता की सास समुद्री देवी ने बताया कि जिस वक्त प्रसव के लिए सदर अस्पताल पहुंचे, तब ड्यूटी पर तैनात रीना राय ने उनकी मदद करने से इनकार कर दिया। स्वास्थ्य कर्मी ने कहा कि ड्यूटी समाप्त हो गई है और आपकी कोई मदद नहीं कर सकती।

इसके बाद मदद ढूंढने के लिए अस्पताल की दूसरी मंजिल पर गए और स्वास्थ्य कर्मियों को खोजते रहे. लेकिन, इसी बीच महिला ने ई-रिक्शा पर ही नवजात को जन्म दे दिया। बाद में ड्यूटी पर तैनात एक अन्य कर्मी ममता ने उनकी मदद की। इसके बाद मां और नवजात दोनों को प्रसव कक्ष में ले जाया गया। इस पूरे मामले पर अस्पताल प्रबंधक रमेश कुमार पांडेय ने बताया कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं थी। मामले की जानकारी ली जा रही है और अगर कोई दोषी पाया जाएगा तो उसके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी।

नहीं किया गया है। कई लोग प्रिस्क्रिप्शन की आदतों. सीमित जागरूकता और गुणवत्ता के बारे में चिंताओं से प्रभावित होकर उच्च कीमत वाली ब्रांडेड दवाओं पर निर्भर रहते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि जागरूकता में सुधार, जेनेरिक को प्रोत्साहित करना और मूल्य निर्धारण के मुद्दों को हल करना स्वास्थ्य सैवा को अधिक किफायती बना सकता है। एसपीएम सिविल अस्पताल के वरिष्ठ सलाहकार और लखनऊ ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. जीपी गुप्ता ने कहा कि मजबूत प्रचार प्रयासों के कारण ब्रांडेड दवाइयों का बाजार पर दबदबा है। उन्होंने कहा, मेडिकल प्रतिनिधि और क्षेत्रीय प्रबंधक अक्सर ब्रांडेड दवाओं को बढ़ावा देने और अपने बिक्री लक्ष्यों को पूरा करने के लिए नमूने देने के लिए डॉक्टरों और केमिस्टों के पास जाते हैं। उन्होंने कहा कि लगभग 90% दवा बाजार मार्केटिंग द्वारा संचालित है। ब्रांड

दवाओं पर कम लाभ मार्जिन एक और कारण है कि केमिस्ट उन्हें स्टॉक करने या सुझाव देने में संकोच करते हैं। उन्होंने बताया, वित्तीय प्रोत्साहन के बिना, दुकानदार जेनेरिक दवाओं को प्राथमिकता नहीं देते हैं, उन्होंने असंगत मूल्य निर्धारण और बिलिंग की ओर भी इशारा किया जो अक्सर ग्राहकों को भ्रमित करता है। डॉ गुप्ता ने कहा कि कई लोग, खासकर ग्रामीण इलाकों में, ब्रांडेड और जेनेरिक दवाओं के बीच अंतर से अनजान हैं। उन्होंने कहा, रोगी अक्सर अपने विकल्पों को जाने बिना ही फार्मेसी जाते हैं। फार्मासिस्ट भी यही राय रखते हैं। चौक मेडिकल स्टोर के मालिक अक्षय रस्तोगी ने कहा, हम जेनेरिक दवाइयों का सुझाव देने की कोशिश करते हैं, खासकर तब जब मरीज कीमत को लेकर चिंता जताते हैं, लेकिन ज्यादातर लोग अपने नुस्खों पर लिखी दवाइयों को ही प्राथमिकता देते हैं - आम तौर पर ब्रांडेड दवाइयाँ।



Tripura DCA finds no proof of selling

substandard injection by Elder Prroject and Elder Chennai: On the departmental enquiry conducted by the drug control adminis-

tration in Tripura on a complaint against Mumbai based pharma firms, Elder Prroject Ltd and Elder Pharmaceuticals Pvt Ltd, that they are selling substandard injection in the state, it has been found that no such product of the companies is available in Tripura, and no proof of sale or marketing the product received. The complaint against the companies was sent to the drug control administration by a person from north India, accordingly the department conducted an enquiry assigning four drug inspectors in different zones. Sources from the department said the complaint against Elder Prroject Ltd was neither supported by any concrete evidence of sale of any substandard or counterfeit drugs in Tripura nor any proof of violation of drug laws or engaging in misleading practices by the companies.

खिलाफ

In the complaint to the department, it was written that Elder Prroject Ltd and Elder Pharmaceuticals Pvt Ltd were selling substandard drugs, mainly an injection named 'Eldervit' and engaging in misleading practices and violating drug lowing the complaint, she deputed four drug inspectors and conducted a survey all over the state to take samples of the medicines marketed or sold by the companies, but anywhere in the state the particular drug could be found. "We have conducted a survey, but we could not find out any product of the companies in Tripura. It was a false complaint without supporting documents. Stating this I have given a report to the health secretary", she told Pharmabiz. The complainant sent the letter to the health secretary's office addressed to the drug control wing. From there it was forwarded to the DC's office. It was said in the complaint that the complainant came to know about an injection named 'Eldervit' manufactured by Elder Prroject Ltd, which is of extremely poor quality and causes harm to the general public. The drug failed to meet standard quality parameters, thereby making it unsafe for use. Further it was written that patients experienced adverse effects, so they are raising serious concerns about its efficacy and safety.





Pharma News 10 APRIL 2025

क्षणिकाएं

1. साधारण

रह पाओ। असाधारण.

कर जाओ।

असम्भव.

सोच पाओ।

सम्भव.

कर दिखाओ।

4. एक पेड़,

को काटा।

अपना एक.

अंग काटा।

उन की मिथ्या।

उन का सत्य

इनकी मिथ्या।

पर्चा बनाए।



Gujarat FDCA uncovers fake QR Codes on a medicine of

leading brand
Mumbai: The Gujarat Food and Drug Control
Administration (FDCA) has uncovered fake QR codes on a medicine of a reputed pharmaceutical brand. The discovery has triggered an aggressive probe and sweeping crackdown by the state's drug regulatory authority. "We have recovered over 900 strips of a reputed medicine brand from several places in Gujarat based on the investigations and raids. We are committed and working towards dismantling these illegal networks and protecting the integrity of the pharmaceutical supply chain," said Dr. H.G. Koshia, Commissioner of Gujarat FDCA. The fraudulent QR codes, typically used for tracking and verifying the authenticity of medicines, were found to be deceptively placed on packaging to mimic legitimate products.

According to FDCA officials, the discovery raises serious concerns about the growing sophistication of counterfeit drug networks and the vulnerability of even toptier pharmaceutical brands to such practices. In 2022. the Indian government mandated that the top 300 pharmaceutical brands must include QR codes on their packaging by August 1, 2023, to enhance traceability and authenticity. In response to the alarming findings, Gujarat FDCA has initiated a robust investigation into the counterfeit operation, with raids and forensic analysis already underway. The crackdown is expected to intensify in the coming weeks as officials work to identify the sources and distribution channels involved in the clandestine activity. Alongside enforcement measures, the FDCA has launched a comprehensive training programme aimed at empowering 150 key drug enforcement officers across the state. These training programmes are designed to build technical capacity to detect counterfeit drugs early, trace illegal supply chains, and eliminate malpractice from the grassroots to the top of the distribution network," Dr. Koshia added.



पीजीआई में आयुष्मान योजना का उल्लंघन: अब केंद्रीय भंडार से बिल गायब

चंडीगढ: पीजीआई में आयुष्मान भारत योजना में एक बड़ी चूक हुई है। पीजीआई के अंदरूनी सूत्रों ने खुलांसा किया है कि आयुष्मान लाभार्थियों के लिए निर्धारित लाखों रुपये के बिल केंद्रीय भंडार से गायब हो गए हैं, जिससे संभावित वित्तीय गड़बड़ी की आशंका बढ़ गई है। कथित छेड़छाड़ का पैमाना बहुत बड़ा है, रिपोर्ट्स से पता चलता है कि आयुष्मान घोटाले से जुड़ी 100 से अधिक फाइलें चोरी हो गई हैं। पीजीआई प्रशासन ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है और जांच तेज होने के साथ ही सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है। हालांकि पीजीआई प्रशासन ने आयुष्पान, हिमकेयर और जेएसएसके योजनाओं के सत्यापित बिलों के गम होने की बात स्वीकार की है. लेकिन उनका कहना है कि इन बिलों की एक विस्तृत सूची केंद्रीय सेल में उपलब्ध है। अमृत स्टोर से डुप्लिकेट बिल और वार्डों से संबंधित इंडेंट की प्रतियां प्राप्त करने के प्रयास चल रहे हैं। पीजीआई प्रशासन के अनुसार, सुरक्षा विंग संभावित अपराधियों की पहचान करने के लिए सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रहाँ है। इस घोटाले ने पीजीआई की आंतरिक प्रक्रियाओं, विशेष रूप से निजी निधि सेल के भीतर, जो रोगी कल्याण के लिए है, के बारे में चिंताओं को जन्म दिया है। आरोप सामने आए हैं कि इस सेल के कर्मचारी कई वर्षों तक भ्रष्टाचार में लिप्त रहे। पीजीआई के एक अधिकारी ने कहा, कर्मचारी सदस्य केंद्रीय सतर्कता आयोग के दिशा-निर्देशों की अनदेखी करते हुए लंबे समय तक इस संवेदनशील पद पर तैनात रहे, जिसके अनुसार हर तीन साल में कर्मचारियों का तबादला अनिवार्य है। उन्होंने कहा, ऐसे संवेदनशील पदों पर कर्मचारियों का लंबे समय तक रहना निगरानी और जवाबदेही के बारे में गंभीर सवाल खडे करता है।

एडवांस्ड ऑटिज्म केयर एंड रिसर्च सेंटर में ओपीडी सेवाएं शुरू

मोहाली: विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस के अवसर पर, पंजाब के स्वास्थ्य और परिवार कल चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान मंत्री डॉ बलबीर सिंह ने मोहाली के सेक्टर 79 में एडवांस्ड ऑटिज्म केयर एंड रिसर्च सेंटर में ओपीडी सेवाओं का उद्घाटन किया। केंद्र बीआर अंबेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (AIMS) मोहाली में स्थापित किया गया था और इसका उद्देश्य ऑटिज्म से पीड़ित बच्चों को विशेष देखभाल प्रदान करना है। डॉ बलबीर सिंह ने जोर देकर कहा कि यह केंद्र ऑटिज्म से पीड़ित बच्चों के इलाज और विकास के लिए पंजाब में एक अग्रणी संस्थान बनेगा, जो उन्हें अपनी बहुमुखी प्रतिभा को उजागर करने में मदद करेगा। उल्लेखनीय उदाहरणों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने उल्लेख किया कि एलोन मस्क और थॉमस एडिसन जैसी प्रसिद्ध हस्तियां भी ऑटिज्म स्पेक्ट्रम पर थीं। उन्होंने बताया कि कैसे एडिसन की मां ने अपने बेटे की बुद्धिमत्ता के बारे में प्रतिकूल स्कूल रिपोर्टी को छुपाया और उसकी क्षमताओं को पोषित किया, जिससे वह इतिहास के सबसे महोन आविष्कारकों में से एक बन गया। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि ऑटिज्म के कारण अक्सर सामाजिक मेलजोल में चुनौतियां आती हैं। इस केंद्र के पूर्ण संचालन से, पंजाब भर के बच्चों को अपने सामाजिक कौशल को बेहतर बनाने और सामाजिक चुनौतियों के अनुकूल होने के लिए आवश्यक उपचार प्राप्त होंगे।

क्यूआर कोड से होगी सँदिग्ध दवाओं की पहचान

कोलकाताः प्राप्त समाचार के अनुसार क्यूआर कोड से संदिग्ध दवाओं की पहचान की जाएगी। इस संबंध में सेंट्रल ड्ग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल . ऑर्गनाइजेशन (सीडीएससीओ) ने नोटिस भी जारी किया है। नोटिस में बताया गया है कि क्यआर कोड को स्कैन करने से 300 संदिग्ध दवाओं की जानकारी मिल सकती है। क्युआर कोड को स्कैन कर ही लोग समझ पायेंगे कि उन्होंने जो दवाएं खरीदी हैं, वे नकली हैं या असली। गौरतलब है कि हुगली, बर्दवान और कोलकाता सहित राज्य के विभिन्न हिस्सों में संदिग्ध दवाइयां मिलने से स्वास्थ्य विभाग चौकस हुआ है। बता दें कि अब तक 300 दवाओं की पहचान नकली दवाओं के रूप में की गयी है। इसमें रक्तचाप की दवा (टेल्मा एएम), मधुमेह की दवा, इन्हेलर और इंजेक्शन सहित व्यापक रूप से इस्तेमाल होने वाली कई नामी बैंड की दवाएं शामिल हैं। केंद्रीय ड्रग कंट्रोल जनरल ऑफ इंडिया (डीसीजीआई) ने राज्य के स्वास्थ्य विभाग को एक क्यूआर कोड भेजा है। निर्देश जारी किये हैं कि जब कोई दवा विक्रोता दवा की दुकान पर जाये तो वे दवाओं के विवरण की जांच करे। क्यूआर कोड स्कैन का उपयोग स्कैन में पहचानी गईं 300 नकली दवाओं की तुलना करने के लिए किया जा सकता है। दुकानदारों को भी निर्देश दिया गया है कि वे भी ग्राहकों को जागरूक करें।

Sun Pharma introduces fexuprazan in India for treatment of erosive esophagitis

S.P.O.: # 4113 Sobba Daffodil Apartment, Sector 2, HSR Layout, Banglore-560102 KA, India

Phone: +91 99289 54400, 98291 59005, 77910 10975, 0141-4010980

E-mail: milimaxhealth@gmail.com, info@milimaxhealthcare.com

Visit us at : www.milimaxhealthcare.com

Mumbai: Sun Pharmaceutical Industries Limited, the world's leading specialty generics company, announced that it has launched fexuprazan tablets 40 mg in India under the brand name "Fexuclue". Fexuclue, a novel potassium-competitive acid blocker (PCAB), is approved as a new treatment for adults with erosive esophagitis of all grades. Sun Pharma has obtained rights from Daewoong Pharmaceutical Co Ltd, Korea, a biopharmaceutical company, to manufacture and commercialise Fexuclue (fexuprazan) in India. As per agreement terms, Daewoong will be entitled to upfront and milestone payments, including royalties.

Kirti Ganorkar, CEO - India Business, Sun Pharma, said, "Erosive esophagitis is a serious condition that greatly affects patients' quality of life. Despite available treatments, there remains a significant unmet need in its management. Fexuclue is a best-in-class treatment option with the potential to bridge this gap. At Sun Pharma, we are committed to introducing innovative medicines that enhance patients' quality of life. Fexuprazan was evaluated in a double-blind, double-dummy, comparative phase 3 study in adult Indian population. The primary efficacy measure was healing of erosive esophagitis which was confirmed endoscopically. The study met its primary endpoint. Over 95% of the patients achieved erosive esophagitis healing by 8 weeks. Fexuprazan was found to be well tolerated in Indian patients.

LIMITED LIABILITY PARTNERSHIPS (LLP) – A Successful Concept.

A Limited Liability Partnership is a legal formatthat restricts the liability of a business and provides running cost benefits to all partners. Our visionary leader Shri J.S.Shinde introduced this concept in our pharmaceutical trade industry, primarily at the wholesale level. According to him, competition can only be won with even stronger competition. His aim was to eliminate internal competition amongst traditional wholesalers, unitethem and form a consortium to fight the organised players entering the Indian market. The situation called for the smaller fishes (traditional wholesalers & retailers) who were until now safeguarded in small ponds within their territories to join their hands and resources to become bigger and face the sharks in the open sea.

In order to safeguard the survival and interests of both wholesalers and retailers, Mr. J S Shinde came up with the idea of forming an'LLP' in Maharashtra. The concept initially seemed tedious and needed a big leap of faith. Those who had been each other's competitors would now have to share their expertise, financial details and trade secrets with their new 'partners'. However, the high cost of running a business with thin margins in a demanding market and the large discounts offered to customers through e-commerce pharma retailers made the traditional business model extremely unviable. This situation, coupled with constant discount wars between demanding retailers and helpless wholesalers called for an outof-the-box formula, a winning strategy. A pilot project inlchhalkaranji, a town interior Maharashtra, bringing together the entire town's stockists was created as a roadmap to a solutionfor all rising concerns. This merging of wholesalers with a mission to convert internal competition into unified strength against larger competition hit the nail at the right spot. It not only brought seasoned businessmen together but also gave a new life to their sinking legacy. It created a unique combination of rich experience, expertise, effort and wealth of intangible assets that no company could replicate.

The headstrong, progressive thinking and foresight of Mr. J S Shinde proved successful. The joint effortsof all partners in the LLP could facilitate good services in a short span oftime withcomparatively lesser expenses, reduced operational cost and economies of scale that could offer better discounts to the retailers.It brought a sizeable chunk of the industry under one roof and retailers, in turn, accepted and welcomed this concept overwhelmingly. Aseed with a mission to make locals unite and grow wassown successfully. This increased efficiencythereby resulting in better profits. Local was getting converted into glocal now under the guidance of our beloved leader.Mr.J.S.Shinde has so far encouraged and successfully established around 30 LLP's in Maharashtra, his home state, and has plans to take this initiative nationwide. This LLP success story was not con-

fined to the rural and semi-rural sectors but also proved to be a success in a major metro like Mumbai.

As visualised by JSS, this idea of LLP has struck the right chords. With increase in turnover and improved profitability, satisfied stakeholders are now eager to adapt new ideas, implement technology, invest on digitalisation and share responsibilities. This modernised version of doing business is a very inviting proposition for the next generation. Furthermore, the seniors can finally enjoy some muchawaited time with their loved ones. In the next phase Mr. J. S Shinde has taken steps to fine tune the concept further and educate the wholesalers across the nation, lending support to let this sapling bloom to have the desired fruits and maintain their market share. Efforts are on to create more such unisons that will create bulk ordering advantages and a better platform to negotiate and partner with Pharma and FMCG companies to allow/ transfer/ provide better facilities and discounts for the retailers thereby helping them to survive the invasive corporate discount war.

This innovative idea has proven to be a step in the right direction paving the way for the traditional trading community to sustain the current times and emerge a winner in this vibrant, huge and booming price conscious market. Hats off to this yet another successful initiation of a great visionary national leader, the Maestro of Pharma trade Mr. Jagannath Sakharam Shinde.

एम्स की पेयजल आपूर्ति में मल-जीवाणु संदुषण मिला

नई दिल्ली: एक चौंकाने वाली घटना में, दो स्थानों पर एम्स में साप्ताहिक परीक्षण के दौरान एकत्र नमूनों के प्रयोगशाला विश्लेषण में पीने के पानी में मल संबंधी बैक्टीरिया का संदुषण पाया गया: नेशनल सेंटर फॉर एजिंग ब्लॉक और लडकों का छात्रावास। विश्लेषण ने पीने के पानी में मानव या पशु मल से उत्पन्न बैक्टीरिया की उपस्थिति की पुष्टि की, जिसे 100 से अधिक छात्रों द्वारा पिया जा रहा था। सूत्रों ने संकेत दिया कि पिछले 10 वर्षों में इस तरह का संदुषण अभृतपूर्व था। 17 से 22 मार्च के बीच, पूर्व और पश्चिम परिसरों, आईआरसीएच, पशु गृह, सीडीईआर, एमसीएच ब्लॉक, सर्जरी ब्लॉक, आरपी केंद्र, महिला छात्रावास, वार्ड ब्लॉक, शिक्षण ब्लॉक और छात्रावास नंबर 4 (लडकों का छात्रावास) भतल केंद्रीय आरओ और पहली मंजिल के साथ-साथ एनसी एजिंग ब्लॉक के केंद्रीय आरओ की पहली और दूसरी मंजिल सहित विभिन्न एम्स सुविधाओं से पानी के नमूने एकत्र किए गए। माइक्रोबायोलॉजी विभाग ने 24 मार्च को एक रिपोर्ट जारी की जिसमें एनसी एजिंग ब्लॉक के पहले और दूसरे फ्लोर के सेंट्रल आरओ और लड़कों के हॉस्टल नंबर 4 के ग्राउंड फ्लोर के सेंट्रले आरओ में फेकल बैक्टीरिया से संदूषण दिखाया गया। हालांकि, लड़कों के हॉस्टल की पहली मंजिल पर संदूषण के लिए नकारात्मक परीक्षण किया गया। लडकों के हॉस्टल के ग्राउंड फ्लोर पर सेंट्रंल आरओ यूनिट, जो दूषित पाई गई, हॉस्टल 4 और 5 में रहने वाले 100 से अधिक एमबीबीएस छात्रों को पीने का पानी उपलब्ध कराती है।







Pharma News 5 10 APRIL 2025



राजधानी में नहीं होगी पानी की किल्लत

नई दिल्ली: जल मंत्री प्रवेश वर्मा ने वजीराबाद बैराज, जलाशय, जलशोधक संयंत्र और अवजल शोधक संयंत्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने शोधित पानी को पीकर गुणवत्ता जांची और दिल्लीवासियों को आश्वस्त किया कि राजधानी में स्वच्छ व सुरक्षित जल की आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार अगले 50 साल के लिए जल प्रबंधन का मास्टर प्लान तैयार कर रही है, जिससे भविष्य में जलसंकट की कोई स्थिति पैदा नहीं होगी। अब पानी की किल्लत नहीं होगी व जल भंडारण क्षमता बढेगी और यमुना साफ होगी। उन्होंने कहा कि जलापूर्ति को लेकर कोई भी राजनीति नहीं होनी चाहिए। हम दिखावे की राजनीति करने की जगह जमीनी स्तर पर ठोस काम कर रहे हैं और यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि हर नागरिक को स्वच्छ पानी मिले। उन्होंने विपक्षी दलों पर तंज कसते हुए कहा कि भाजपा सरकार ने न तो फिल्टर पानी की बोतलें रखकर दिखावा किया और न ही खोखले दावे किए. बल्कि सीधे संयंत्र जाकर वही पानी पिया जो दिल्ली के हर घर में सप्लाई किया जा रहा है। वजीराबाद बैराज की जल भंडारण क्षमता को अगले डेढ़ महीने में दोगुना किया जाएगा, जिससे गर्मियों में पानी की कमी की समस्या नहीं होगी। पहले की सरकारों ने इस मुद्दे पर केवल बयानबाजी की, लेकिन अब भाजपा सरकार जलाशयों की खुदाई और विस्तार जैसे ठोस कदम उठा रही है।

50 साल का मास्टर प्लान, समाधान: जल मंत्री ने बताया कि दिल्ली में जल प्रबंधन को अब तक अस्थायी समाधान के रूप में देखा जाता था, लेकिन अब सरकार 50 साल की दीर्घकालिक योजना पर काम कर रही है। इस योजना के तहत पाइपलाइन की लीकेज को रोका जाएगा, जल संरक्षण के लिए नए उपाय अपनाए जाएंगे और जल वितरण प्रणाली को आधुनिक बनाया जाएगा। दिल्ली में पानी की समस्या का एक बड़ा कारण पुरानी पाइपलाइनों से होने वाली लीकेज है। अब इसे वैज्ञानिक तरीके से ठीक किया जाएगा।

10/20/30mg,DYNACLIN-N Gel: Clindamycin 1% & Nicotinamide

e-derma Pharma India Pvt. Ltd. launches new products

NEW LAUNCH: RETINOL SERUM(Retinol 0.3%, Hyaluronic Acid 1%, Niacinamide 5%, Alpha Arbutin), VISIA SILK LOTION: (Stearic Acid, Niacinamide, Almond & Honey), TARSOFT OINTMENT :(Coal Tar 6% & Salicylic Acid 3%), ADAQUEEN -BP GEL: (Adapalene 0.3% & Benzoyl Peroxide 2.5%), BENZITURN FACEWASH: (Benzoyl Peroxide 5%), MINTURN-P Lotion/Spray: (Minoxidil 5% with Process) Procapil), METHOTURN OINTMENT : (Methoxsalen 0.75%), FACELITE GLOW: Composition (Kojic Acid 5%, Arbutin, Mulberry Extract, Niacinamide) Hydroquinone Free Antibiotics -AZICATablet: Azithromycin 250/500mg, AUGFAST Tablet : Amoxycillin Trih 500mg &Potassium Clav. 125mg, MINOPEARLTablet: Minocycline 50/100mg, METATURN Ointment :Mupirocin 2%, CEFITURNTablet : Cephalexin 500mg, DOXYAID-LBTablet/Capsule: Doxycycline Hyclate 100mg and 5 billion lactobacillus spores, DALLOX Tablet : Cefadroxil 500mg & Potassium Clavulanate 125mg, FUDICA Cream: Fusidic acid 2%, NADIREST Cream: Nadifloxacin 1%, Antiallergic-BILASBERG Tablet Bilastine 20mg, E-BESTTablet: Mizolastine 10mg, HYBEST Tablet: Hydroxyzine 10/25mg, LORAID Tablet: Loratadine 10mg, LEVOCA Tablet : Levocetirizine 5/10mg, LEVOCAS yrup : Levocetirizine 5mg,LEVOCA-M Tablet : Levocetirizine 5mg &Montelukast 10mg, HYBEST ITCH Lotion: Pramoxine HCL, Calamine, Aloe Vera, Tetrahydrocurcumin, POLBESTTablet: Dexchlorpheniramine SR 2mg, FEX-UP Tablet : Fexofenadine 180mg, FACI-NIB Tablet : Tofacitinib 5mg,CALOMYNE Lotion : Calamine 8%, Glycerin 5%, Aloevera 10%, Liq. Paraffin, Zinc Oxide 3%, Steroids -DYNACORT Tablet: Deflazacort 6/12/30mg, SAFECORT Cream/Lotion: Mometasone Furoate 0.1%, ECZIVATE 30 Cream : Clobetasol Prop. 0.05%, OFICA Cream :Fluticasone Prop. 0.05%, HALOTURN Cream/Lotion :Halobetasol Prop. 0.05%, HALOTURN-SAOintment :Halobetasol Prop. 0.05% & Salicylic Acid 6% FLUTURN-H Cream : Fluocinolone Acetonide 0.1%, NADIREST-M Cream : Nadifloxacin 1% &Mometasone 0.1%, MEBRISONE Tablet: Methyl Prednisone 8/16mg,DESOCARE Lotion: Micronised Desonide 0.05%, ECZI-VATE-SLotion: Clobetasol 0.05% & Salicylic Acid 3/6%, ECZIVATE-S 6%Ointment : Clobetasol 0.05% & Salicylic Acid 6%, ISORVATE-AL 0.05%,Alluminium Prop. Clobetasol Lactate 12%,BECLOTURNCream Beclomethasone Dipropionate 0.05%,BECLOTURN-C Lotion: Beclomethasone Dipropionate .025% &Clotriamazole 1%,FUDICA-B Cream : Fusidic acid 2% & Mometasone Furoate 0.1%, Antifungal -ITRASTAT Capsule Itraconazole 100/200mg, TERBAZ Tablet : Terbinafine 250/500mg, TERBAZ Cream/Dust. Powder: Terbinafine 1%, KTZ Tablet :Ketoconazole 200mg, KTZCream/Dust. Powder : Ketoconozole 2%, LUNIBURGLotion: Luliconazole 1%, KTZ STAY ONLotion: Ketoconazole 2% Stay on Lotion, CANBEECream : Clotrimazole 1%, CANBEE-B Cream: Clotrimazole 1% & Beclomethasone 0.025%, SERTAFIX Cream/Lotion: Sertaconazole 2.0%,K-WASH Shampoo: Ketoconazole 2%, KENABERGShampoo: Biotin.1%, Ketoconazole 1% & ZPTO 0.5%,K-WASH PLUSShampoo : Ketoconazole 2% & ZPTO 1%, FLUPACK Tablet: Fluconazole 150mg, LUNICOL Cream: Luliconazole 1%, CICLOPROXShampoo : Coclopirox 1 % & Zinc Amorolfine 0.25%, Pyrithione 1%, AMLOTURN Cream Immunosuppressants -AZONYTablet: Azathioprine 50 mg, TACROG-ARD 0.1/0.03 Ointment: Tacrolimus 0.1/0.03%, SORAPRINSoftgel Capsule: Cyclosporine 100mg, NEOTURN 2.5/5/7.5 Tablet: Methotrexate 2.5/5/7.5 mg,PECROMUSCream : Pimecrolimus 10 mg,Acne Care -ISOPEARL-M20Softgel Cap : Micronised Isotretinoin ISOPEARL-10/20/30Softgel Cap Isotretinoin

4%, DYNACLIN Gel: Clindamycin 1%, O-GYLGel: Ornidazole 10mg, ADAQUEENGel: Adapalene 0.01%, ADAQUEEN-C Gel: Adapalene 0.01% &Clindamycin 1%,TRET-ACream :Niacinamide 5%, Hylauronic acid 1%, AZICA Gel : Azithromycin 2%, BENZI-TURN-AD Gel : Adapalene 0.1% &Benzoyl Peroxide 2.5%, Benziturn-2.5/5/10 Gel: Benzoyl peroxide 2.5/5/10%, Hyperpigmenting Agents - AZESPOT Cream: Azelaic acid 20%, FACELITE Gel: Kojic Acid 2%, Arbutin 1.5% Outline 2.57.5% Arbutin 1.5%,Octinoxate 7.5%, Mulberry Extract& Glycolic Acid, M-LITE PLUSCream: Hydroquinone 2%, Tretinoin 0.025%, M-LITE FORTE Cream: Hydroquinone 2%, Tretinoin 0.025%& Mometasone 0.1%, M-LITE GLOWCream: Hydroquinone 2%, Tretinoin 0.025% & Fluocinolone Acetonide 0.01%, M-LITE AT Cream: Hydroquinone 2%, Tretinoin 0.025% and Allantoin, M-LITECream: Hydroquinone 2%, MELOSPOTCream: Hydroquinone 4%, DEPIQUEEN Cream: Silymarin, p Terowhite, Soy Isoflavones, Kojic acid and Mandelic Acid, GLOW DAYCream: 4NResorcinol, Alpha Arbutin, Glutamic Acid, Kojic Acid Dipalmitate, Octinoxate, Allantoin, Niacinamide, Hydrogenated Squalene, Titanium Dioxide, Alium Cepa Extract & PhyllanthusEmolica Extract, GLOW NIGHTCream : Alpha Arbutin, Retinol, Liquorice, Vit. E, Glycerine, Squalene, D- alpha Tocopherol, Lenolin, GLUTAGLOW-CTablet: Glutathione 500mg & Vitamin-C 500mg, GLUTAGLOW Peel: Glutathione 1%, Glycolic acid 45%, Lactic Acid 10%, Salicylic acid 0.5%, Kojic Acid Dipalmitate 7%, Lemon Peel Ext. 2%, ButyospermumParkii 5%,GLUTAGLOW-C Serum : Ethyl Ascorbic Acid Stable Vit. C 20%, Glutathione 2%, Niacinamide 2%, Beta-Arbutin 2%, Orange Peel Extract 2%, Lemon Peel Ext. 2%, Dimethicone 2%, Chamomila Ext. 2%, Antioxidants/ Vitamins -LYCOX-ID Tablet :Betacarotene (10%) 30mg, Lycopene (10%) 7500mcg, Vit. C Vit. E 25mg, Minerals&Zeaxanthine (10%) 25mg, PROCDINATablet : Proanthocyanidin 75mg, PROCDINA-TX Tablet : Tranexamic acid 250mg, IRONI UPCapsule: Carbonyl Iron 100mg, Vit. C 150mg, Vit. B12 15mcg., Folic Acid 5mg, Zinc Sulphate 61.8mg & Vit B6 3mg, Hair Care -FINTURN Tablet : Finasteride 1 mg, BIOTURN FORTETablet : Biotin 10 mg, Calcium Pantothenate 100 mg, N-Acetyl Cysteine 50 mg, Minerals, MINTURN-F: (Minoxidil 5% & Finasteride 0.1% Solution), MINTURN TABLET: (Minoxidil 2.5 mg), MINTURN-2/5/10 Lotion/Spray : Minoxidil 2/5/10%, HAIR LONG Shampoo : Procapil, Caffeine, Argon Oil and Onion Extract, HAIR LONG Oil: Sun flower Oil, Olive Oil, Amla Ext., Castor Oil & Grapeseed Oil, HAIR LONG Tablet: Beta - Sitosterol, Bibhitak, Green Coffee Seed, Grape Seed, Amalaki, Haritaki, Collagen Peptide, Amino Acids, Choline Hydrogen, Tartrate, Vitamins & Trace Elements Tablet NEW HAIR-LONG Serum: Redensyl 2%, with Procapil 3% & Keravis 1%, Hair Long B +Oil : Biotin, saw palmetto, D -panthenol, Sugandha Kokila, Seasame oil, roots of karonday, olive oil, SOFTUM Shampoo : Shea Butter, Ceramides, Soya protein, SOFTUM Conditioner: Hibiscus, Brahmi, Yastimadhu, Methi, Henna, Soap/ Facewash - E-BACTY Soap: Vit. E, Allantoin & Allum, E-BACTYBodywash: Tea Tree Oil, Peppermint Oil & Triclosan, ACNEDAY Soap: Triclosan, Triclocarben, Glycerin, Vit. E, Salicylic Acid, Aloe Vera & Tea Tree Oil, IVITURN Soap Ivermectin 0.5%, Glycerin & Vitamin E, KTZSoap: Ketoconazole 2%, SCABICASoap : Permethrin Aloe Vera &Tea Tree Oil,BEAUTY Bar Aloe vera, Milk Protein, Shea butter, Cocoa butter, Titanium dioxide, Almond oil, Tea Tree Oil, Vit. E, GLOWBELLASKIN WHITENING Soap :Kojic Acid, Arbutin, VIT-A, C, E & F, Liquorice, Bearberry and Mushroom Extracts, SOFTUM BABY/Moisturizer Bar pH 5.5Soap : Vit E, Syndet Base, Shea Butter, Aloe Butter, Aloe Vera, VISIA Soap: Aloe Vera, Vit.

E & Moisturising, TARSOFT-CS Soap: Coal Tar 1%, & Salicylic Acid 3%, GLOWDAY Vitamin C Facewash: Sodium Ascorbyl, Turmeric Extract, Cucumber Extract, Aloevera Foaming facewash, VISIAF acewash: Lemon, Honey, Menthol, Mulberry Extracts, ACNEDAY Facewash: D-panthenol, Salicylic Acid, Allantion, Witch Hazel, Aloe vera, Vit E, Triclosan & Tea Tree Oil,SOFTUMHandwash : Neem Handwash, SOFTUM CLEANSING Lotion : Cetyl Alcohol 2.65% and Stearyl Alcohol 0.265, GLOWBELLA SKIN WHITENING Facewash: Salicylic, Kojic, Lactic and Glycollic acid, Emollients -VISIA Cream/Lotion : Glycerine 6.0%, TocopherylAcetate 0.5%, Liquid Paraffin 10.0%, Cetyl Alcohol 3.0%, Squalene, VISIA Soft Cream: Propylene Glycol, Emulsifying wax, Glycerin, Cyclomethicon, Zinc Oxide, SOFTUM BABY Oil : Vitamin A,D,E and OliveOilSOFTUM BABY Lotion: Almond Oil, Wheat germ Oil, Ceramide III, Hyaloronic acid, Vit. E, Jajoba Oil, and Shea Butter, pH 5.5 Paraben Free, VISIA Lip Balm: Lip Balm with Sunscreen, GLOW BELLA moisturizing Lotion: Glyceryl Monostearate. Glycerol, Caprylic/Capric, Triglyceride, Aloe, Barbadensis Leaf Juice, Stearic Acid, Cetaearyl Alcohol, Butyrospermum Parkii (Shea Cyclopentasiloxane, Ethylhexylglycerin, Sodium Tocophery Acetate. Disodium EDTA, Disodium EDTA, Allantoin For sensitive skin, Sunscreen -O'BAY SPF 30+ Sunscreen: Octylmethoxycinnamate 5.0%, Avobenzone MethoxyCinnamidopropyl Hydroxy Sultaine 2.0%,Zinc Oxide 2.0%, Allantion 0.2%, Vitamin E 0.1%, Aloe Vera Gel 0.2%, Titanium Dioxide 2%, SOFTUM Physical Sunscreen Micronised Zinc Oxide 25%.

SUDHIR GROUP OF COMPANIES INSPIRING HEALTH SINCE 1963 GOLden Change Invest Invent Invest Invent Invest Invent Invest Invent Invent Invest Invent Inv

MGM Healthcare performs world's first modified multivisceral transplant for rare intestinal disorder

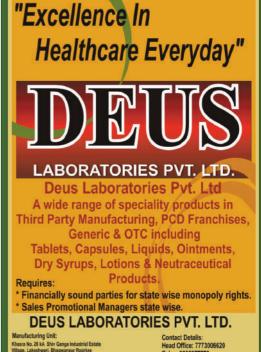
MOHIT SURGICALS & POLYCHEM PVT. LTD

Orrin

SPRANZA VITA

Chennai: In a major breakthrough, MGM Healthcare, a multispecialty hospital in Chennai, has successfully performed the world's first modified multivisceral transplant (MMVT) for the treatment of a rare intestinal disorder. The patient, who was aged 32, was suffering from bloody diarrhoea, along with a severe drop in haemoglobin levels, progressive malnutrition, recurrent infections, and abdominal swelling. His diagnosis, diffuse of primary lymphangioma of the intestine, was a non-malignant intestinal condition. It was so extensive that conventional surgical approaches, such as bowel resection, were not viable.

To address this, the expert surgical team at MGM Healthcare performed a modified multivisceral transplant, replacing the stomach, pancreatico-duodenal complex (the pancreas and the first part of the small intestine), small intestine, and large intestine, with innovative modifications to enhance graft function and reduce immunologic risks. The patient is now recovering well, marking a major milestone in transplant medicine and offering new hope for those with complex intestinal disorders. Before proceeding with the modified multivisceral transplant, the medical team at MGM Healthcare took critical steps to stabilize the patient. Given the severity of gastrointestinal bleeding caused by diffuse of primary intestinal lymphangioma, the team performed an emergent subtotal enterectomy, which refers to the surgical removal of a significant portion of the diseased intestine to control the bleeding. The team also initiated total parenteral nutrition (TPN), a method of delivering essential nutrients intravenously, bypassing the digestive system altogether to ensure the patient's nutritional stability. These interventions optimized the patient's condition for the complex transplant procedure that followed. The MMVT surgical intervention was headed by Prof. Dr. Anil Vaidya, chairman and director of the Institute of Multi-Visceral and Abdominal Organ Transplant, along with Dr. Senthil Muthuraman, senior consultant, and Dr. Sivakumar Mahalingam, surgical oncologist and Dr. Venkatesh. The anaesthesia and intensive care team comprised Dr. Dinesh Babu, and Dr. Nivash Chandrasekaran.



Khasra No. 28 NA. Shir Ganga Industrial E-Village. Labestware: Biogwardner Roortee District. Heriower Uttrakhand 247661 Corporate Office: 2nd Floor SLV Yower Kanvali Road, Neer Balliwale Chook Dehradun Utrakhand 248001 Contact Details:
Head Office: 7773006620
Sales: 8006077773
Production:8006077772
Designing: 7060028254
Customer Care: +91 135 314 4200
Mail: deuslaboratories@gmail.com

WE OFFER THIRD PARTY MANUFACTURING IN WHO PLANT

Offers Utmost Care To Your Patient



Parties with strong financial background & Pharma experience are Welcome for the Marketing & distribution rights of unrepresented area on MONOPOLY basis.

LATEST MOLECULES

Tablets - Capsules - Dry Syrups - Suspensions - Injections
Oral Liquids - Softgels Capsules - Ointments - Nutraceuticals
Soaps - Ayurvedic Products

SYGNUS BIOTECH[®] F/5 To F/9 N.V.Complex, Tavadiya Cross Road, Ahmedabad Abu-Road Highway, Sidhpur-384151 (Gujarat) INDIA. (A WHO-GMP Certified Company)



More Than 400 Products

Phone: +91 9825324786, +91 9925072770

Email: info@sygnusbiotech.com Website: www.sygnusbiotech.com



10 APRIL 2025 Pharma News

ंपर ढेर सारी शंभकामनाए SHRI KISHOR KUMAR JI **AGRA** 10/04/1971 9837063302 SHRI SHRENIK GANDHI JI **PUNE** 7719973776 12/04/1968 SHRI NARESH KUMAR JI **AGRA** 12/04/1982 8126423671 SHRI ADHIKRAOA. PATIL JI **SATARA** 13/04/1972 9881191904 MR. PATITAPABAN PRADHAN JI **ANGUL** 14/04/1971 9438755750 9890032427 SHRI JAGDISH PALOD JI **JALGAON** 14/04/1958 SHRI KAPIL AHER JI **NASHIK** 9766880970 14/04/1986 MR. ROHIT KUMAR JI **MEERUT** 15/04/1988 8958226060 SHRI AVNISH BORSE JI 9881701142 **NASHIK** 15/04/1989 SHRI ANANDA PRADHAN JI **BARGARH** 17/04/1985 9778524123 **NAGPUR** SHRI DEEPAK AHUJA JI 19/04/1975 9527261851 SHRI RAJNESH KUMAR KATARYA JI **FARRUKHABAD** 20/04/1996 9839441078 SHRI VISHAL D. GANDHI JI **PUNE** 21/04/1975 9822516301 **ALWAR** 9829990043 SHRI BRIJENDRA SHARMA JI 21/04/1972 SHRI UMAKANT LIMJE JI **BHANDARA** 22/04/1985 8421539989 SHRI SUNIL KUMAR D.MODI JI **AHMEDABAD** 23/04/1979 9428407501 SHRI PRASHANT P. PATIL JI **SATARA** 24/04/1971 9822077427 SHRI MAYUR R. DEORE JI **NASHIIK** 24/04/1992 9423508673 9437393639 SHRI K.C. PRADHAN JI **BARGARH** 25/04/1961 SHRI RUPESH G. JIWTODE JI **NAGPUR** 25/04/1989 8408889422 **NASHIK** 27/04/1982 9890634035 SHRI PRAVIN S. BHANDARE JI SHRI GAURAV AVINASH JI **JALGAON** 27/04/1992 9209155670 **NASHIK** SHRI MARATHE D.G JI 29/04/1976 9373121373 **PUNE** SHRI MAYUR MUTHA JI 29/04/1985 9011049015 9763790007 SHRI RAJESH K. BHANGALE JI **JALGAON** 01/05/1969 SHRI YOGESH KACHARU MARKAND JI **NASHIK** 01/05/1989 8999434537 01/05/1988 SHRI. SAURABH TOMAR JI **BULANDSHAHR** 8273095054 SHRI SUMIT KUMAR GUPTA JI **BULANDSHARHR** 01/05/1982 9410483138 9423414562 SHRI ANJU A.GUPTA JI **GONDIA** 01/05/1984 9823755528 SHRI NILESH S. JAIN JI **NASHIK** 01/05/1984 SHRI HARIOM SINGHAL JI **AGRA** 02/05/1970 9412332030 SHRI ATUL GARG JI **PANCHKULA** 02/05/1977 9896074202 SHRI KARAN RAJ JAIN JI **HYDERABAD** 02/05/1968 9391083353 SHRI SATISH KUMAR M. SHIVRAME JI **JALGAON** 02/05/1970 9325079255 SHRI NARENDRA A. MAHESHWARI JI **BANASKANTHA** 03/05/1982 9429722813 9325303018 SHRI ATUL PETHIA JI **NAGPUR** 04/05/1973 SHRI TUSHAR S. HIRE JI **NASHIIK** 04/05/1985 7771053835 SHRI WARKE R. JANJARAM JI **JALGAON** 05/05/1965 9923445590 SHRI MANISH AGRAWAL JI **BHARATPUR** 06/05/1992 7229839900 MR. KISHORE CHANDRA SAHU JI 9439019600 **ANGUL** 06/05/1971 DR. JAGROOP SINGH JI **MEERUT** 06/05/1980 8006784785 SHRI SHRAVAN NAMDEV JI **JALGAON** 06/05/1985 9423615168

अप्रैल व मई माह के त्यौहार 10.04.2025 महावीर जयंती हनुमत जयंती 12.04.2025 अम्बेडकर जयंती 14,04,2025 परशुराम जयंती 29.04.2025 सौर ऊर्जा दिवस 03.04.2025 05.04.2025 बगलामुखी जयंती

स्वास्थ्य विभाग ने रक्त बैंकों का निरीक्षण करने के दिए आदेश

प्राप्त समाचार के स्वास्थ्य विभाग ने राज्य के सभी रक्त बैंकों का निरीक्षण करने के आदेश जारी किए हैं और उनकी रिपोर्ट एक माह में प्रस्तुत करने को कहा है। उल्लंघन की जांच के लिए रक्त बैंकों का निरीक्षण शुरू किया गया है। महाराष्ट्र राज्य स्वास्थ्य विभाग ने जिला रक्त आधान अधिकारियों को रक्त बैंकों का निरीक्षण करने और एक महीने के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। राज्य रक्त आधान परिषद (एसबीटीसी) ने जिला सिविल सर्जनों और मेडिकल कॉलेजों के डीन को रक्त बैंकों का निरीक्षण करने का निर्देश दिया। राज्य में सरकारी, अर्ध-सरकारी, ट्रस्ट द्वारा संचालित, कॉर्पोरेट और निजी सहित 395 ब्लड बैंक हैं, जिनमें से सबसे अधिक संख्या पुणे जिले में 57 है। एसबीटीसी ने निरीक्षण के दौरान शामिल . किए जाने के लिए 27-बिंदुओं की एक चेक लिस्ट दी है। गौरतलब है कि खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) साल में एक बार पूरे राज्य में ब्लड बैंकों का औचक और अनिवार्य निरीक्षण करता है। एसबीटीसी के सहायक निदेशक महेंद्र केंद्रे ने बताया कि जिला रक्त आधान अधिकारी, पैथोलॉजिस्ट या रक्त आधान सेवाओं के विशेषज्ञों द्वारा ब्लड बैंकों के निरीक्षण का आदेश मिला है।

अब फार्मा इंक इलाज की तलाश में

प्राप्त समाचार के अनुसार पारस्परिक शुल्क से बचने की राहत भारत के दवा निर्माताओं के लिए लंबे समय तक नहीं रही, क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने घोषणा की कि फार्मा टैरिफ ऐसे स्तरों पर आने वाले हैं जिन्हें आपने पहले कभी नहीं देखा। जबिक स्थिति अभी भी अस्थिर है और कंपनियां प्रतीक्षा और नजर रखने की स्थिति में हैं, उद्योग के अंदरूनी सुत्रों ने कहा कि वे संभावित भविष्य के टैरिफ से निपटने के लिए विभिन्न विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। कुछ कंपनियां संभावित व्यावसायिक प्रभाव की भरपाई के लिए अपने जेनेरिक फॉर्मूलेशन का निर्यात करने के लिए यूरोप, लैंटिन अमे. रिका, अफ्रीका और अन्य उभरते बाजारों जैसे वैकल्पिक बाजारों पर विचार कर रही हैं। नाम न बताने की शर्त पर उद्योग

के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, जबिक अमेरिका एक महत्वपूर्ण और बड़ा बाजार है, अगर जरूरत पड़ी तो कुछ कंपनियां अन्य बाजारों पर भी विचार कर सकती हैं। कार्यकारी ने कहा, वर्तमान में, स्थिति बहुत अस्थिर और अनिश्चित है, लेकिन कंपनियां किसी भी स्थिति के लिए तैयार हैं और अगर टैरिफ बाधा पार करना असंभव हो जाता है, तो कंपनियों को वैकल्पिक बाजारों पर विचार करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। पारस्परिक शुल्क से बचने की राहत भारत के दवा निर्माताओं के लिए लंबे समय तक नहीं रही।

15 लाख की दवाइयां जब्त

स्याना (बुलंदशहर) उप्र: अवैध मेडिकल स्टोर पर रेड कर 15 लाख की दवाइयां जब्त की गई है। वहीं, पांच दवाओं के सैंपल लिए हैं और इन्हें जांच के लिए भेजा गया है। स्याना क्षेत्र में अवैध मेडिकल स्टोर पकड़ा गया है। मेरठ ड्रग कमिश्नर के निर्देश पर की गई इस कार्रवाई में तीन जिलों के औषधि निरीक्षकों की टीम ने छापेमारी की। कस्बा बुगरासी के जनता इंटर कॉलेज रोड पर स्थित नासिर के मेडिकल स्टोर को बिना लाइसेंस के संचालित किया जा रहा था। औषधि निरक्षिक अनिल आनंद ने बताया कि मेडिकल स्टोर का संचालक नासिर है। टीम ने यहां से 98 प्रकार की दवाइयों के 40 कट्टे जब्त किए। इन दवाइयों की कीमत करीब 15 लाख रुपए आंकी गई है। जांच के लिए पांच सैंपल भी लिए गए हैं। टीम में बुलंदशहर के अनिल आनंद, मेरठ के गौरव लोधी और हापुड़ से हेमेंद्र चौधरी शामिल थे। अधिसूचना के अनसार खाद्य उत्पादन करने वाले पशओं में क्लोरामफैनिकोल या नाइट्रोफुरंस युक्त दवा का उपयोग संभावित स्वास्थ्य जोखिम पैदा कर सकता है।

फिरोजपुर (पंजाब): प्राप्त समाचार के अनुसार मेडिकल स्टोर पर रेड कर सात प्रकार की नशीली दवाएं बरामद करने का मामला सामने आया है। यह कार्रवाई इंग विभाग ने पुलिस को साथ लेकर बस स्टैंड के पास शिव शक्ति मेडिकल स्टोर

सात प्रकार की नशीली दवाएं बरामद की

पर की। पुलिस ने मेडिकल स्टोर संचालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। डीएसपी सुखिवंदर सिंह और ड्रग इंस्पेक्टर सोनिया गुप्ता ने बताया कि शिव शक्ति मेडिकल स्टोर पर प्रतिबंधित दवाइयां बेचने की शिकायत मिली थी। मेडिकल स्टोर की जांच करने से पहले एक व्यक्ति को प्रशिक्षित किया गया और उसे दवा लेने के लिए भेजा गया। जब वह प्रतिबंधित दवा लेकर आया तो छापेमारी की गई। ड्ग इंस्पेक्टर सोनिया ने बताया कि शिव शक्ति इंटरप्राइजेज पर टैपेंटाडोल की 560 गोलियां और गैबापेंटिन के 140



अवैध दवाएं की जब्त

औषधि अधिकारी ने बताया कि जांच रिपोर्ट आने पर इग एक्ट के तहत कोर्ट में मामला दर्ज किया जाएगा। स्टोर से कुछ फर्मों के बिल भी मिले हैं, जिनकी जांच की जाएगी। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि नासिर किन लोगों को दवाएं बेचता था। इन सभी बिंदओं की जांच की जाएगी। फार्मा कंपनी को 2,395 करोड़ रुपये का टैक्स डिमांड नोटिस नई दिल्ली। यह नोटिस देश की दिग्गज फार्मा कंपनी डॉ रेड्डी लेबोरेटरीज को डॉ रेड्डी होल्डिंग लिमिटेड के साथ विलय को लेकर है। डॉ रेड्डी लेबोरेटरीज ने कहा कि कंपनी को 4 अप्रैल को हैदराबाद के असिस्टेंट इनकम टैक्स कमिश्नर के ऑफिस से टैक्स नोटिस मिला है। नोटिस में कंपनी से पूछा गया है कि विलय के दौरान टैक्स से बचने वाली आय का आकलन क्यों न किया जाए। बता दें कि डीआरएचएल के डॉ रेड्डीज लेबोरेटरीज में विलय को राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलंटी), हैदराबाद ने 2022 में मंजूरी दी थी।



सभी रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों में आवश्यक दवाइयां उपलब्ध कराई जाएंगी

NASHIK

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने अधिकारियों को निर्देश जारी कर यह सुनिश्चित करने को कहा है। कि सभी रेलवे स्टेशनों और यात्री ट्रेनों में जीवन रक्षक दवाओं और उपकरणों सहित अन्य आवश्यक वस्तओं से यक्त मेडिकल बॉक्स उपलब्ध हों। वैष्णव ने राज्यसभा में

SHRI CHETAN R.BHAMARE JI

ारी दी। यह निर्णय सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के अनुपालन में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली में गठित एक विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों के बाद लिया गया। सदन में यह मुद्दा तब उठाया गया जब भाजपा सांसद रयागा कृष्णैया

एक लिखित जवाब में यह जानक. ने पूछा कि क्या सरकार ने पिछले पांच वर्षों में देश भर के रेलवे स्टेशनों और JAIKUL यात्री ट्रेनों में चिकित्सा आपातकालीन केंद्रों की स्थापना के संबंध में कोई अध्ययन या सर्वेक्षण किया है। यह भी पढ़ें द्य रेल नेटवर्क को बढावा: तीन राज्यों में कनेक्टिविटी बढ़ाने निलेप भारद्वाज जा के लिए 18,658 करोड़ परियोजनाएं की माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा रेलवे जन्मदिवस स्टेशनों और ट्रेनों में चिकित्सा सुविधाएं के शुभ अवसर पर प्रदान करने की आवश्यकता और सीमा की जांच की गई थी। मंत्री ने समझाया। वैष्णव के अनुसार, ट्रेन टिकट परीक्षकों, ट्रेन 學術學()學問意

और अन्य सहित कर्मचारियों को पाथमिक चिकित्पा प्रदान करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। ऐसे कर्मचारियों के लिए नियमित रिफ्रेशर कोर्स आयोजित किए जाते हैं। सभी रेलवे स्टेशनों पर आस-पास के अस्पतालों और डॉक्टरों की सूची, उनके संपर्क ने अपने जवाब में कहा। अध्विनी वैष्णव ने महत्वपूर्ण फैसलों को हरी झंडी दी; विवरण देखें अधिक ट्रेनों में स्थानीय व्यंजन उपलब्ध होंगे इस बीच, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने हाल ही में कहा कि अधिक टेनों में उनके गुजरने वाले क्षेत्र के आधार पर स्थानीय व्यंजन होंगे मंत्री की प्रतिक्रिया डीएमके सदस्य सुमित थिमझाची थंगापांडियन के प्रश्नों पर थी, जिन्होंने अनुरोध किया था कि तमिलनाडु में चलने वाली वंदे भारत ट्रेनों में दक्षिण भारतीय व्यंजन भी उपलब्ध होने चाहिए लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान वैष्णव ने कहा कि रेलवे ने यात्रियों को स्थानीय व्यंजन परोसे जाने को सुनिश्चित करने के लिए दक्षिणी रेलवे में एक महत्वपूर्ण प्रयोग किया है। मंत्री ने कहा, अधिक से अधिक टेनों में स्थानीय व्यंजन परोसे जाएंगे। यह कार्यक्रम गार्ड, स्टेशन मास्टर पूरे देश के लिए होगा।

10/05/1984

8698369898



Ayurvedic, Veterinary, Poultry and Allo





Pharma News

यशोदा मेडिसिटी ने डॉ. जेबी शर्मा को प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग का प्रमुख नियुक्त किया

दिल्ली: यशोदा मेडिसिटी ने एम्स के पूर्व प्रोफेसर डॉ. जेबी शर्मा को प्रसृति एवं स्त्री रोग विभाग का प्रमुख नियुक्त करने की घोषणा की है । उन्हें स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा दुनिया भर के शीर्ष 2% डॉक्टरों में से एक के रूप में मान्यता दी गई है, वे इस भूमिका में चार दशकों से अधिक का अनुभव लेकर आए हैं। जटिल प्रसृति और स्त्री रोग संबंधी सर्जरी- जिसमें उन्नत यूरो-स्त्री रोग और योनि प्रक्रियाएं शामिल हैं- तक फैले एक व्यापक करियर के साथ उन्होंने इस क्षेत्र में एक विचार नेता के रूप में ख्याति अर्जित की है। उन्होंने 450 से अधिक प्रकाशनों के साथ चिकित्सा अनुसंधान में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जिसमें द लैंसेट जैसे शीर्ष स्तरीय पत्रिकाओं में कई पेपर शामिल हैं। यशोदा मेडिसिटी में शामिल होने से पहले, डॉ. शर्मा ने अखिल भारतीय आयर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली में प्रसित एवं स्त्री रोग विभाग में प्रोफेसर और यूनिट हेड के रूप में कार्य किया महिलाओं के स्वास्थ्य में डॉ. शर्मा के असाधारण योगदान ने उन्हें कई प्रतिष्ठित पुरस्कार दिलाए हैं। गर्भावस्था में जननांग तपेदिक और एनीमिया जैसे विषयों पर उनका शोध कार्य अभूतपूर्व रहा है।

हार्ट अटैक से 6 महीने तक सुरक्षित रखेगा यह इंजेक्शन नई दिल्ली: हार्ट अटैक से 6 महीने तक सुरक्षित रखने के लिए वैज्ञानिकों ने नई दवा ईजाद की है। इस दवा का इंजेक्शन एक बार लगवाने से हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा 6 महीने तक टल सकता है। हालांकि अभी यह दवा अंडर ट्रायल है और इसमें सफलता मिली तो जल्द ही यह दवा बाजार में आएगी। इस नई दवा को एलि लिली कंपनी ने बनाया है और इसका नाम लेपोडिसिरान है। यह दवा खून में पाए जाने वाले छोटे कण को 94 फीसदी तक कम कर सकती है। ये कण ही हार्ट अटैक और स्ट्रोक का जोखिम बढाते हैं। नई दवा इंजेक्शन के जरिए शरीर में जाकर खून में पाए जाने वाले इन खतरनाक कणों को काफी हद तक बेअसर कर सकती है। इस दवा का असर 6 महीने तक बना रहता है और इसके अभी तक कोई साइड इफेक्ट भी सामने नहीं आए हैं। दवा किया गया है कि यह दवा हार्ट अटैक और स्ट्रोक से बचाने में कारगर हो सकती है।



10 APRIL 2025

जेनेरिक दवा बाजार में भारतीय दवा उद्योग की मजबूत पकड़

नई दिल्ली: प्राप्त समाचार के अनुसार जेनेरिक दवा बाजार में भारतीय दवा उद्योग की मजबूत पकड बनी रहेगी। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनाल्ड ट्रंप ने दवा उद्योग को 27 प्रतिशत के जवाबी शुल्क से छूट दी है। स्पष्ट है कि अमे. रिकी जेनेरिक दवा बाजार में भारतीय दवा उद्योग की खास भिमका को स्वीकार किया गया है। गौरतलब है कि भारतीय दवा विनिर्माता अमेरिका में जेनेरिक दवा की जरूरत के 47 प्रतिशत की सप्लाई करते हैं। नई शुल्क नीति से अमेरिकी घरेलू बाजार में मरीजों के लिए दवा की कीमतें बढ़ जातीं हैं। अमेरिका दवा की कमी से जूझ रहा है। निफ्टी फार्मा ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी और 2.25 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। सन फार्मा, सिप्ला, ल्यूपिन जैसी कंपनियों के शेयरों में तीन से छह प्रतिशत के बीच वृद्धि देखी गई। बता दें कि भारतीय फार्मास्यूटिकल एलायंस (आईपीए) देश की शोध संचालित बड़ी दवा कंपनियों का प्रतिनिधित्व करता है। इन कंपनियों की संयुक्त रूप से भारत के निर्यात में लगभग 80 प्रतिशत हिस्सेदारी है। आईपीए ने कहा कि फार्मास्युटिकल को शुल्क से छूट देने का निर्णय सार्वजनिक स्वास्थ्य में सस्ती दवाओं की अहम भूमिका बताता है। आईपीए के महासचिव सुदर्शन जैन का कहना है कि भारत और अमेरिका के बीच मजबूत और बढ़ते द्विपक्षीय व्यापार संबंध हैं। इसे मिशन 500 पहल के तहत व्यापार को दोगुना करके 500 अरब डॉलर तक ले जाने का साझा दृष्टिकोण है। फार्मास्युटिकल इस साझेदारी का आधार बना हुआ है और भारत सस्ती दवाओं की निरंतर आपूर्ति तय करके वैश्विक और अमेरिकी स्वास्थ्य सेवा में अहम भिमका निभाता है। जेनेरिक दवा बाजार में भारतीय

Decision to increase the price of angioplasty stents withdrawn

Gandhinagar: The decision to increase the price of angioplasty

AARESS

government had decided to double the price of angioplasty stents approved by the US Food and Drug Administration (FDA) as compared to the stents approved by the Indian regulator. Now a U-turn has taken in matter. The decision to postpone the pricing was taken during a meeting of the governing body of Pradhan Mantri Jan Arogya Yojana-Mukhyamantri Amrutam (PMJAY-MA)

Gandhinagar. Health Minister Rushikesh Patel said that the decision of the executive committee for the price of stents used in angioplasty has been deferred in the governing body for the time being. Currently, all drug-eluting stents (DES) used for the treatment of blocked heart arteries are priced at Rs 35,000.The Association of Indian Medical Device Industry has written to Union Health Minister JP Nadda, calling the Gujarat government's

decision of differential pricing discriminatory. According to sources, some US-approved stents cost more and some Indian-made stents cost less. The payments made to hospitals under the scheme were similar. It was decided to make payments based on the type of product used on each patient, and hence two rates were fixed

क्लोरामफेनिकोल-नाइट्रोफुरंस युक्त दवाओं पर लगा बैन

बीबीएन (हिमाचल प्रदेश)। क्लोरामफेनिकोल-नाइट्रोफुरस युक्त दवाओं पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। यह आदेश केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन ने राज्य की दवा नियामक एजेंसियों को जारी किए हैं। आदेशों stents has been withdrawn. The Gujarat government has taken this में क्लोरामफेनिकोल और नाइट्रोफुरंस युक्त दवाओं पर लगाए प्रतिबंध को कड़ाई से लागू करने को कहा step after opposition from Indian drug manufacturers. The state गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने खाद्य उत्पादन करने वाले पशुओं में क्लोरामफेनिकोल और नाइट्रोफुरंस युक्त

ISO

किसी भी दवा के आयात, निर्माण, बिक्री, वितरण और उपयोग को पुरी तरह से प्रतिबंधित कर दिया था। इस प्रतिबंध के बाद अब भारत के औषधि नियंत्रक महानिदेशक ने एक आधिकारिक निर्देश जारी किया है। इसमें राज्य के दवा नियामकों को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा है कि इन प्रतिबंधित दवाओं का निर्माण, बिक्री और वितरण किसी भी खाद्य उत्पादन वाले पशु पालन प्रणाली में न हो। अधिसूचना के अनुसार खाद्य उत्पादन करने वाले पशुओं में क्लोरामफेनिकोल या नाइट्रोफुरंस युक्त दवा का उपयोग संभावित स्वास्थ्य जोखिम पैदा कर सकता है। हालांकि, इनके सुरक्षित विकल्प उपलब्ध हैं। बता दें कि क्लोरामफेनिकोल और नाइट्रोफुरंस एंटीबायोटिक्स की श्रेणियों में आते हैं, जो खाद्य उत्पादन वाले पशुओं में बैक्टीरियल संक्रमण के इलाज के लिए उपयोग किए जाते हैं। विभिन्न अध्ययनों में इन दवाओं के दुष्प्रभावों की पुष्टि की गई है, जिसमें डायरिया, बोन मैरो डिप्रेशन (अस्थि मज्जा दबाव) और अन्य गंभीर स्वास्थ्य जोखिम शामिल हैं। सरकार के इस आदेश से खाद्य सुरक्षा को मजबूत करने और सार्वजनिक स्वास्थ्य को संभावित खतरों से बचाया जा सकेगा।

Aar Ess Remedies has lived up to the image and the good-will earned entirely due to the trust it has acquired over the years of ethical operation and emerging as the centre of excellence, with the changing pace of life. Well Studied Antibiotic for IBS **APTOCEF PLUS ANRIFAXA-550** Honest & confident Approch SIBLOL **ACMON-DM** Simple Solution for Stronger Bones rate Pain & Stiffness in OA **MONTICAL-XT** NEE FORTE-OXA Cal. Carbonate 1250mg + Vit D3 2000 IU + Vit B12 1500mcg + L- Methylfolate 1mg + Pyrodoxal-5-phosphate 20mg Tabs.

Corporate Office: C-28, Sector-65, Noida, Uttar Pradesh-201301, INDIA. Helpline: 7838364045 Email: support.aaressremedies@gmail.com Website: www.aaressremedies.com

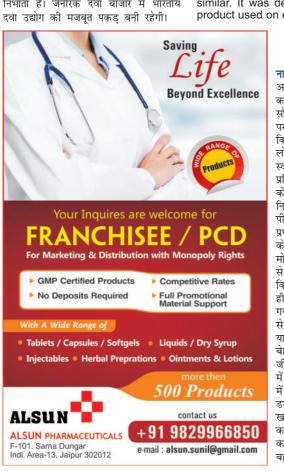
Successful Completion of 20 years

AAR ESS REMEDIES PRIVATE LIMITED

Indian pharmaceutical industry has a strong hold in the generic drug marketNew

Delhi: The Indian pharmaceutical industry will continue to have a strong hold in the generic drug market. In fact, US President Donald Trump has exempted the pharmaceutical industry from the retaliatory duty of 27 percent. It is clear that the special role of the Indian pharmaceutical industry in the US

generic drug market has been acknowledged. It is worth noting that Indian drug manufacturers supply 47 percent of the generic drug requirement in the US. The new duty policy would have increased the prices of medicines for patients in the US domestic market. America is facing a shortage of medicines. Nifty Pharma responded positively and registered a growth of 2.25 percent. Shares of companies like Sun Pharma, Cipla, Lupin saw a growth of between three to six percent.Let us tell you that the Indian Pharmaceutical Alliance (IPA) represents the country's research-driven large pharmaceutical companies. These companies together have a share of about 80 percent in India's exports. IPA said the decision to exempt pharmaceuticals from duty highlights the important role affordable medicines play in public health. IPA Secretary General Sudarshan Jain said India and the US have a strong and growing bilateral trade relationship. It has a shared vision to double the trade to \$500 billion under the Mission 500 initiative.



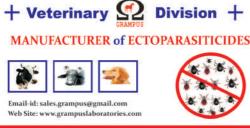
पीएम मोदी ने विश्व स्वास्थ्य दिवस पर स्वस्थ कल्याण के महत्व पर जोर दिया

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर स्वस्थ और तंदुरुस्त रहने के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि स्वास्थ्य ही परम सौभाग्य और धन है। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर एक्स पर पोस्ट करते हुए विश्व स्वास्थ्य दिवस पर एक स्वस्थ दुनिया बनाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की और कहा प्वास्थ्य सेवा पर ध्यान केंद्रित करती लोगों की भलाई के विभिन्न पहलुओं में निवेश करती रहेगी। विश्व स्वास्थ्य दिवस पर, आइए हम एक स्वस्थ दुनिया बनाने की अपनी प्रतिबद्धता की पष्टि करें। हमारी सरकार स्वास्थ्य सेवा पर ध्यान केंद्रित करती रहेगी और लोगों की भलाई के विभिन्न पहलुओं में निवेश करती रहेगी। अच्छा स्वास्थ्य हर संपन्न समाज की नींव है! पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट किया। एक वीडियो शेयर करते हुए प्रधानमंत्री ने मोटापे के मुद्दे को उठाया और लोगों से खाना पकाने के तेल का सेवन 10 प्रतिशत कम करने का आग्रह किया। पीएम मोदी ने कहा - आरोग्यम परमम भाग्यम। प्रधानमंत्री ने जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों, खासकर मोटापे की बढ़ती चिंता को संबोधित किया जो एक महत्वपर्ण स्वास्थ्य खतरा बन गया है और हाल ही में आई एक रिपोर्ट का हवाला दिया जिसमें अनुमान लगाया गया है कि 2050 तक 440 मिलियन से अधिक भारतीय मोटापे से पीड़ित होंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आरोग्यम परमम भाग्यम, यानी आरोग्य ही परम भाग्य, परम धन है। बेहतर स्वास्थ्य ही बेहतर भविष्य के निर्माण का मार्ग है। आज हमारी बदलती जीवनशैली हमारे स्वास्थ्य के लिए चुनौती बन रही है। हाल ही में मोटापे पर एक रिपोर्ट आई थी, जिसमें कहा गया था कि 2050 में 44 करोड़ से ज्यादा लोग मोटापे से पीड़ित होंगे। ये संख्या डरावनी है। हमें अभी से इस पर काम करना होगा। हमें अपने खाना पकाने के तेल की खपत में कटौती करनी होगी। यह मोटापा कम करने में बहुत बड़ा कदम होगा। हमें व्यायाम को अपने जीवन का हिस्सा बनाना होगा। खुद को फिट रखना विकसित भारत में बहत बडा योगदान होगा।





10 APRIL 2025 Pharma News



1. AMITRAZ

-5% & 12.5%

2. AMITRAZ

-2% POUR ON

3. FLUMETHRIN

-1% POUR-ON

4. CYPERMETHRIN -1%, 10%,12%, 15%

5. CYPERMETHRIN -10% + ETHION 8%

7. DELTAMETHRIN -1.25% , 1.75%, 2.5%

6. CYPERMETHRIN -1%, 10% POWDER

8. PERMETHRIN

-2%, 5%, 10%, 11%

9. FIPRONIL

-0.25%, 1%, 9.7%

ALL PACKS AVAILABLE IN ALUMINIUM, TIN & PET BOTTLES 6ml, 15ml WALL HANGING TRAY PACKS AVAILABLE FOR PCD & THIRD PARTY: 099960-19744. 78762-20222.

GRAMPUS LABORATORIES

मेट्रोपोलिस हेल्थकेयर अगले विकास चरण के लिए उत्तर भारत में बढाएगा उपस्थिति

प्राप्त समाचार के अनुसार मुंबई स्थित डायग्नोस्टिक चेन मेट्रोपोलिस हेल्थकेयर भविष्य की वृद्धि के प्रमुख चालक के रूप में उत्तर भारत शिशु स्वास्थ्य में सराहनीय प्रगति हुई है, उल्लेखनीय असमानताएँ बनी पर अपना ध्यान केंद्रित कर रही है। प्रमोटर और कार्यकारी अध्यक्ष अमीरा हुई हैं, राज्यों और जिलों के बीच काफी अंतर देखा गया है। शाह ने कहा कि कंपनी को उम्मीद है कि हाल ही में किए गए उदाहरण के लिए, केरल में मातृ मृत्यु दर (MMR) 30 प्रति 100,000



शाह ने कहा, उत्तर भारत हमारे लिए एक बड़ा फोकस होगा, इस क्षेत्र में अपनी उपस्थिति का विस्तार करने की कंपनी की प्रतिबद्धता के संदर्भ में। उनका मानना है कि कंपनी उत्तरी बाजारों में पश्चिम और दक्षिण से नेतृत्व की सफलता को दोहराने में सक्षम होगी। इसमें कैंसर परीक्षण में एक प्रमख खिलाडी कोर डायग्नोस्टिक्स के अधिग्रहण के अलावा उत्तर भारत भर में अग्रणी, नैतिक पैथोलॉजी प्रयोगशालाओं के साथ साझेदारी करना शामिल है।

VANESHA HEALTHCARE & FORMULATION THIRD PARTY MANUFACTURING "ALLOPATHY & AYURVEDA" COMPANY MH **Tablets** Capsules Juice Village Gorakhnath, shahpur Road Opposite Krishna Traders, post Office Nanakpur, Tehsil Kakla, Distt Haryana (1) 7017662045, 9317014346, 9816967304, 9317014345, 9317262729, 9805807545

www.vaneshahealthcare.com 🔀 vaneshahealthcare@gmail.com

पीई फर्में वृद्धि के लिए छोटे शहरों के अस्पतालों पर लगा रही दांव

मुंबई: प्राप्त समाचार के अनुसार बल्ज-ब्रैकेट प्राइवेट इक्विटी फंड्स एकल-विशेषता वाले भारतीय अस्पताल श्रंखलाओं में तेजी से निवेश कर रहे हैं, जो उभरते हुए उपभोक्ता केंद्रों में मजबूत विकास क्षमता प्रस्तुत करते हैं, जो उनके पारंपरिक महानगरीय क्षेत्रों से परे संबोधित बाजार को काफी हद तक बढ़ाते हैं। निजी इक्विटी निवेशकों का मानना है कि लखनऊ, विजाग, जयपुर, कोचीन, सिलीगुड़ी, गुवाहाटी, भुवनेश्वर और पटना जैसे गैर-मेट्रो स्थानों में स्वास्थ्य सेवा में बहुत अधिक विकास की संभावना है, जो टियर-2 या 3 शहरों में बढ़ती वहनीयता और योग्य डॉक्टरों और विशेषज्ञों की अधिक उपलब्धता के साथ तालमेल बिठाता है।

पीई फंड ऐसे खिलाड़ियों की तलाश कर रहे हैं जो निवेश के पूरा होने पर उच्च रिटर्न और ब्लॉकबस्टर एग्जिट देंगे। एशिया हेल्थकेयर होल्डिंग्स (एएचएच) के कार्यकारी अध्यक्ष विशाल बाली ने कहा, तीनों कारक एकल स्पेशियलिटी हेल्थकेयर चेन में निवेशकों की रुचि को बढ़ाने में मदद कर रहे हैं, जिसमें टियर 2/3 शहरों में महत्वपूर्ण विकास अवसर, स्पष्ट रूप से दिखाई देने वाली यूनिट इकनॉमिक्स और सर्वश्रेष्ठ आरओआई के साथ व्यवहार्यता शामिल है। उन्होंने कहा, एएचएच एकल स्पेशियलिटी हेल्थकेयर के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ रहा है, जिसमें हमारी सभी सिंगल स्पेशियलिटी हेल्थकेयर कंपनियां राजस्व, एबिटा और भौगोलिक पहुंच के साथ-साथ आरओआई में लगातार वृद्धि प्रदान कर रही हैं। आईवीएफ, नेफ्रोलॉजी, नेत्र-देखभाल, ऑन्कोलॉजी, माँ और शिश् देखभाल जैसे उपचार क्षेत्रों में पीई मनी पार्किंग, देश भर में मल्टी-स्पेशियलिटी संपत्तियों की लगभग एक दशक की लंबी खोज के बाद, भविष्य के मुल्य निर्माण के लिए एक विश्वसनीय नुस्खा बन

विश्व स्वास्थ्य दिवस भारत में मातू एवं नवजात शिशु स्वास्थ्य असमानताओं को पाटना

जैसा कि हम विश्व स्वास्थ्य दिवस 2025 को स्वास्थ्य शुरुआत, आशापूर्ण भविष्य थीम के साथ मना रहे हैं, स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच और परिणामों में महत्वपूर्ण असमानताओं को संबोधित करना महत्वपूर्ण है जो पूरे भारत में मौजूद हैं। जबिक राष्ट्रीय स्तर पर मातृ और नवजात

अधिग्रहण चालू वित्त वर्ष (वित्त वर्ष 26) में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। जीवित जन्म है, हालांकि यह 2022 में 19 प्रति 100,000 से बढ़ गई है। इसके विपरीत, उत्तर प्रदेश और असम जैसे राज्यों में प्रति

100,000 जीवित जन्मों पर 150 से अधिक की दर दर्ज की गई है। इसी तरह, तमिलनाडु में प्रति 1,000 जीवित जन्मों पर नवजात मृत्यु दर (NMR) 10 से कम है, जबकि बिहार और मध्य प्रदेश में यह दर 30 प्रति 1,000 जीवित जन्मों से अधिक है। स्वास्थ्य परिणामों में महत्वपर्ण क्षेत्रीय असमानताएँ मुख्य रूप से स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढाँचे, स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों की पहुँच और गुणवत्ता और पोषण संबंधी किमयों में प्रणालीगत असमानताओं से उत्पन्न होती हैं। इसके अतिरिक्त, स्वास्थ्य प्रणाली के बाहर के कारक. जिनमें आय स्तर, शिक्षा, परिवहन अवसंरचना और लैंगिक असमानता शामिल हैं, एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों में, मजबूत स्वास्थ्य सेवा प्रणाली संस्थागत प्रसव की उच्च दर और बेहतर मातृ स्वास्थ्य परिणामों की ओर ले जाती है। इसके विपरीत, उत्तर प्रदेश और बिहार स्वास्थ्य सेवा सुविधाओं और कार्यबल में पुरानी कमियों का सामना करते हैं, जो उनकी चिंताजनक रूप से उच्च मृत्यु दर में योगदान देता है। कई ग्रामीण जिलों में आवश्यक सेवाओं की कमी है, जैसे कि चालू प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, या घटिया देखभाल प्रदान करते हैं। मध्य प्रदेश और झारखंड में, कुछ जिलों में टीकाकरण दर 50% से कम है, और आदिवासी क्षेत्र एनीमिया और कुपोषण जैसे मुद्दों से असमान रूप से प्रभावित हैं। इसके अतिरिक्त, भौगोलिक बाधाएँ स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच को काफी हद तक सीमित करती हैं,

जिससे प्रसवपूर्व और प्रसवोत्तर देखभाल की उपलब्धता गंभीर रूप से प्रभावित होती है, खासकर असम जैसे पूर्वोत्तर राज्यों में। नीति कार्यान्वयन और चुनौतियाँ भारत ने मातृ एवं नवजात शिशु के स्वास्थ्य में सुधार के उद्देश्य से कई पहल की हैं, फिर भी इन कार्यक्रमों की प्रभावशीलता और क्रियान्वयन एक राज्य से दसरे राज्य में काफी भिन्न है। उदाहरण के लिए, तमिलनाडु और केरल ने जननी सुरक्षा योजना (JSY) के माध्यम से संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है।

Questions to pharma company over expensive medicine for rare disease New Delhi: The Supreme Court has issued a notice to the pharma company for the medicine for rare disease and sought

price of Risdiplam, a drug used in India for a rare disease called Spinal Muscular Atrophy (SMA). The drug manufacturing company was asked whether this medicine can be made available in India at a lower price. Whereas this medicine is supplied to neighboring countries Pakistan and China at a cheaper rate. A bench of Chief Justice (CJI) Sanjeev Khanna, Justice Sanjay Kumar and Justice KV Vishwanathan was told by Anand Grover, the lawyer of Saba, a 24-year-old woman from Kerala suffering from this rare disease, that the drug manufacturer M/s F Hoffman-La Roche Ltd. is selling this medicine to other countries at a cheaper rate than India. On this, the bench issued a notice to the drug manufacturing company and sought a reply.In its order, the bench said that keeping in mind the dispute, M/s F Hoffman-La Roche should inform this court on the next date of hearing at what rate it sells the said medicine in neighboring countries. If the price of this medicine is low in other countries, can the medicine be supplied in India at the same low price.Stay on Kerala High Court order continuesThe bench said that its interim order of February 24 will continue till the next hearing. On February 24, the apex court had stayed the order of the Kerala High Court, in which the Central Government was asked to provide medicines worth Rs 18 lakh to Saba. These medicines are different from the amount of Rs 50 lakh given to such patients under the Central Government scheme. The Center had approached the



Pvt. Ltd.

BADRIVAS BIOTECH PVT. LTD.

Khasra No. 10 & 11 Village. Makkhanpur Bhagwanpur Roorkee-247661, Dist. Haridwar (Uttarakhand)



Contact For Export, Manufacturing & Franchise Approved Section

Tablets | Capsules | Liquid | Ointment | Nutraceuticals We have more than 5500 Approved Molecules

Welcome for small batches, Third Party Manufacturing, PCD & Export facility available.

Contact No. :- +91 72538 01212 , +91 72538 11212, +91 92580 45068 Email:-badrivasindia@gmail.com | www.badrivasbiotech.com

जानलेवा फेफड़ों के निमोनिया के खिलाफ नई दवा की खोज

मुजफ्फरपुर: प्राप्त समाचार के अनुसार जानलेवा फेफड़ों के निमोनिया के खिलाफ नई दवा की खोज कर ली गई है। जर्मनी की अंतरराष्टीय रिसर्च स्टैफिलोकोकस ऑरियस नामक बैक्टीरिया से होने वाले जानलेवा फेफडों के निमोनिया के खिलाफ एक नई दवा की खोज की है। यह दवा बैक्टीरिया को नहीं मारती और बैक्टीरिया द्वारा उत्पादित एक प्रमुख हानिकारक टॉक्सिन को बेअसर कर देती है। इस टॉक्सिन के माध्यम से बैक्टीरिया फेफडों की विभिन्न को.

संस्थान, हेल्महोल्ट्ज सेंटर फॉर इंफेक्शन रिसर्च में काम कर रहे हैं। उनकी टीम को उनकी खोज के लिए पेटेंट भी प्रदान किया गया है।

बैक्टीरियल निमोनिया का इलाज अस्पतालों में एंटीबायोटिक दवाओं द्वारा किया जाता है। इसके बावजूद अक्सर इलाज असफल हो जाता है और मरीज संक्रमण के शिकार हो जाते हैं। इस असफलता का मख्य कारण 'एंटीबायोटिक रेसिस्टेंस है। जिसके तहत बैक्टीरिया खुद का स्वरूप बदल लेते हैं और



शिकाओं को नष्ट कर देता है। इसलिए, टॉक्सिन को बेअसर करने से बैक्टीरिया अपनी रोगजनक क्षमता खो देते हैं। इस रिसर्च के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. आदित्य शेखर मूल रूप से मुजफ्फरपुर के चक्कर चौक के रहने वाले हैं। इनके पिता डॉ. ज्ञानेंदु शेखर सदर अस्पताल में एमओ हैं। वह पिछले आठ वर्षों से जर्मनी के एक सबसे बड़े इंफेक्शन रिसर्च

इस वजह से एंटीबायोटिक दवाइयां असर नहीं कर पाती। डॉ. शेखर और उनके सहयोगियों द्वारा खोजी गई दवाएं बैक्टीरिया के हानिक. ारक प्रभावों को रोकती है। उनके प्रति 'रेसिस्टेंस विकसित नहीं करने देती। डॉ. आदित्य की टीम ने नई दवा का चूहों पर सफल परीक्षण किया है। रिसर्च टीम अब क्लिनिकल ट्रायल की तैयारी में लगी हुई है।



ब्रजेश कुमार गर्ग स्वामी की ओर से ब्रजेश कुमार गर्ग द्वारा प्रकाशित, ब्रजेश कुमार गर्ग द्वारा मुद्रित तथा हरिहर प्रैस के लिए एमपी, प्रिंटर्स नोएडा, गौतम बुद्ध नगर में मुद्रित एवं बी.एन.मैडीकल कॉम्प्लैक्स, बुलन्दशहर से प्रकाशित सम्पादक- ब्रजेश कुमार गर्ग.

Supreme Court challenging the order of the High Court.